नमूना कृतिपत्रिका–2

दसवीं कक्षा : द्‌वितीय भाषा हिंदी – (संपूर्ण) : लोकभारती

समय : 3 घंटे **कुल अंक : 100**

सूचनाएँ – (1) सूचना के अनुसार गद्‌य, पद्‌य, पूरक पठन, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग (उपयोजित लेखन) में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्‌ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्‌य : 24 अंक

प्र.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

''ठीक है। इससे लक्ष्मी के दो–चार दिन निकल जाएँगे।''

''आखिर इस तरह कब तक चलेगा ?'' रमजानी दुखी स्वर में बोली।

''तुम इसे खुला छोड़कर, आजमाकर तो देखो।''

''कहते हो तो ऐसा करके देख लेंगे।''

दूसरे दिन रहमान सवेरे आठ–नौ बजे के करीब लक्ष्मी को इलाके से बाहर जहाँ नाला बहता है, जहाँ झाड़–झंखाड़ और कहीं दूब के कारण जमीन हरी नजर आती है, छोड़ आया ताकि वह घास इत्यादि खाकर अपना कुछ पेट भर ले। लेकिन माँ–बेटे को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि लक्ष्मी एक–डेढ़ घंटे बाद ही घर के सामने खड़ी थी। उसके गले में रस्सी थी। एक व्यक्ति उसी रस्सी को हाथ में थामे कह रहा था–''यह गाय क्या आप लोगों की है ?''

रमजानी ने कहा, ''हाँ।''

''यह हमारी गाय का सब चारा खा गई है। इसे आप लोग बाँधकर रखें नहीं तो काँजी हाउस में पहुँचा देंगे।''

रमजानी चुप खड़ी आगंतुक की बातें सुनती रही।

दोपहर बाद जब करामत अली ड्‌यूटी से लौटा और नहा–धोकर कुछ नाश्ते के लिए बैठा तो रमजानी उससे बोली–''मेरी मानो तो इसे बेच दो।''

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :– 2

	गद्‌यांश में आए पात्र	

(2) कारण लिखिए :– 2

(क) लक्ष्मी को काँजी हाउस में पहुँचाने की धमकी देना –

(ख) माँ–बेटे को आश्चर्य होना –

(3) **(ग) लिंग पहचानकर लिखिए :–** 1

1) रस्सी = _____

2) झाड़-झंखाड़ = _____

(घ) गद्यांश में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्द के भिन्न-भिन्न अर्थ लिखिए :– 1

चारा 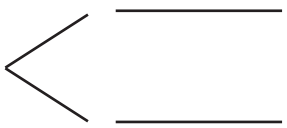

(4) **'भूतदया सर्वश्रेष्ठ है', इसपर अपने विचार लिखिए।** 2

प्र. 1 (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

बाबू जी का एक तरीका था, जो अपने आप आकर्षित करता था। वे अगर सीधे से कहते-सुनील, तुम्हें खादी से प्यार करना चाहिए, तो शायद वह बात कभी भी मेरे मन में घर नहीं करती पर बात कहने के साथ-साथ उनके अपने व्यक्तित्व का आकर्षण था, जो अपने में सामने वाले को बाँध लेता था। वह स्वत: उनपर अपना सब कुछ निछावर करने पर उतारू हो जाता था।

अम्मा बताती हैं- हमारी शादी में चढ़ावे के नाम पर सिर्फ पाँच ग्राम सोने के गहने आए थे, लेकिन जब हम विदा होकर रामनगर आए तो वहाँ उन्हें मुँह दिखाई में गहने मिले। सभी नाते-रिश्तेवालों ने कुछ-न-कुछ दिया था। जिन दिनों हम लोग बहादुरगंज के मकान में आए, उन्हीं दिनों तुम्हारे बाबू जी के चाचा जी को कोई घाटा लगा था। किसी तरह से बाकी का रुपया देने की जिम्मेदारी हमपर आ पड़ी-बात क्या थी, उसकी ठीक से जानकारी लेने की जरूरत हमने नहीं सोची और न ही इसके बारे में कभी कुछ पूछताछ की।

एक दिन तुम्हारे बाबू जी ने दुनिया की मुसीबतों और मनुष्य की मजबूरियों को समझाते हुए जब हमसे गहनों की माँग की तो क्षण भर के लिए हमें कुछ वैसा लगा और गहना देने में तनिक हिचकिचाहट महसूस हुई ।

(1) **उत्तर लिखिए :–** 2

बाबू जी ने यह समझाते हुए गहनों की माँग की :–

(क) _____

(ख) _____

(2) **एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए :–** 2

(ग) अम्मा जी को गहने प्राप्त होने के अवसर ⟶ _____ , _____

(घ) गद्यांश में आए स्थानों के नाम ⟶ _____ , _____

(3) **(च) विलोम शब्द लिखिए :–** 1

1) प्यार × _____

2) घाटा × _____

(छ) वचन पहचानकर लिखिए :– 1

1) गहने = _____

2) घर = _____

(4) **'शादी-ब्याह में रुपये-पैसों से संबंधित होने वाले लेन-देन' के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।** 2

प्र.1 (इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

हमारे जीवन में पर्वों का अत्यधिक महत्त्व है। इन पर्वों, उत्सवों एवं त्योहारों से हमारे नीरस जीवन में सरलता, उल्लास, उत्साह एवं आनंद की वृद्धि होती है। यदि ये पर्व समय-समय पर हमारे जीवन की रिक्तता को न भरें तो जरा सोचिए, हमारा जीवन कितना सूना-सूना तथा नीरस लगेगा। ये पर्व अनेक प्रकार के होते हैं- धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, जातिगत, स्थानीय तथा राष्ट्रीय। होली, दीपावली, दशहरा, रक्षाबंधन, ईद, क्रिसमस आदि ऐसे त्योहार धर्म विशेष से हैं, वैशाखी, पोंगल, ओणम, बसंत पंचमी आदि पर्वों का संबंध एक स्थान विशेष की संस्कृति से है। इसके अतिरिक्त हमारे जीवन में कुछ पर्व ऐसे भी हैं, जिनका संबंध किसी जाति, धर्म, संप्रदाय, क्षेत्र अथवा वर्ग से नहीं होता है। इनका संबंध संपूर्ण राष्ट्र से है। ये पर्व राष्ट्रीय दिवस के नामों से जाने जाते हैं। हमारे राष्ट्रीय पर्वों में गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस तथा गांधी जयंती प्रमुख हैं। इनके अतिरिक्त शहीद दिवस, शिक्षक दिवस, बाल दिवस भी इसी श्रेणी में रखे जाते हैं।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :– 2

(2) परिणाम लिखिए :– 2

पर्व, उत्सव एवं त्योहारों के होने से जीवन में		**पर्व, उत्सव एवं त्योहारों के न होने से जीवन में**	
(क)	.....	**(ग)**	.....
(ख)	.....	**(घ)**	.....

(3) (च) कृदंत शब्द तैयार करके लिखिए :– 1

क्रिया	**कृदंत शब्द**
1) लगना	_____
2) रखना	_____

(छ) तद्धित शब्द से मूल शब्द अलग करके लिखिए :– 1

तद्धित शब्द	**मूल शब्द**
1) स्थानीय	_____
2) सांस्कृतिक	_____

(4) 'उत्सव, पर्व मनाने से हमारे जीवन में आनंद की वृद्धि होती है', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

विभाग 2 – पद्य : 18 अंक

प्र.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

क्षीण निज बलहीन तन को, पत्तियों से पालता जो,
ऊसरों को खून से निज, उर्वरा कर डालता जो,
छोड़ सारे सुर–असुर, मैं आज उसका ध्यान कर लूँ ।
उस कृषक का गान कर लूँ ।।

यंत्रवत जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे,
रो रही पीड़ित मनुजता, आज अपनी जीत हारे,
जोड़कर कण–कण उसी के, नीड़ का निर्माण कर लूँ ।
उस कृषक का गान कर लूँ ।।

(1) लिखिए :– 2

कृषक की विशेषताएँ <

_____

_____

(2) पद्यांश से निम्नलिखित अर्थ में प्रयुक्त शब्द लिखिए :– 2

(क) अपना = _____

(ख) उपजाऊ = _____

(ग) घोंसला = _____

(घ) राक्षस = _____

(3) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। 2

प्र.2 (आ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए :–

अपनी गंध नहीं बेचूँगा अथवा गजल

मुद्दे :–

(क) रचनाकार का नाम – _____ 1

(ख) रचना की विधा – _____ 1

(ग) पसंद की पंक्तियाँ – _____ 1

(घ) पंक्तियाँ पसंद होने का कारण – _____ 1

(च) रचना से प्राप्त संदेश – _____ 2

प्र.2 (इ) निम्नलिखित अपठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

निज राष्ट्रचेतना निज भाषा,
स्वाभिमान सभी का होता है ।
अभिव्यक्त निज की भाषा में,
संज्ञान, सभी का होता है ।।
अनुरक्त देश के तन–मन में,
हिंदी वह जीवन–धारा है ।
हिंदी निज प्रेम की भाषा से,
गर्वित यह देश हमारा है ।।

(1) उत्तर लिखिए :– 2

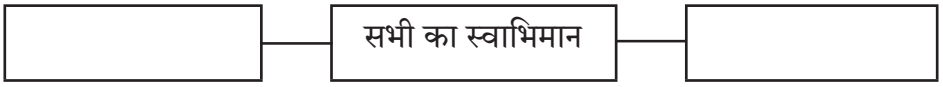

(2) लिखिए :– 2

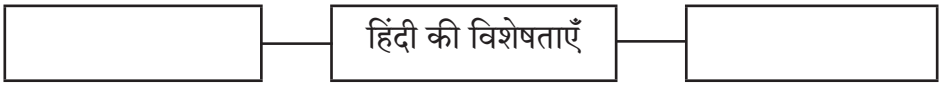

(3) उपर्युक्त पद्यांश से प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। 2

विभाग 3– पूरक पठन : 8 अंक

प्र. 3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

बुढ़ापे का केवल यही अर्थ नहीं कि जीवन के कुछ कम वर्ष बचे हैं; यह तथ्य तो जीवन के किसी खंड पर भी लागू हो सकता है– बचपन, यौवन, बुढ़ापा... । खास बात है, जो भी वर्ष बचे हैं, जब तक जीवित और चैतन्य हूँ, जिंदगी को क्या अर्थ दे पाता हूँ, या अपने लिए उससे क्या पाता हूँ, ऐसा कुछ जिसका सब के लिए कोई महत्त्व है । लगभग इसी अर्थ में मैं साहित्यिक चेष्टा और जीवन चेष्टा को अपने लिए अविभाज्य पाता हूँ ।

७५ का हो रहा हूँ–यानी, जीने के लिए अब कुछ ही वर्ष बचे हैं लेकिन जीना बंद नहीं हो गया है । यह अहसास कि मृत्यु बहुत दूर नहीं है, उम्र के किसी भी मोड़ पर हो सकती है । ऐसा हुआ भी है मेरे साथ । तब हो या अब, यह सवाल अपनी जगह बना रहता है कि जीवन को किस तरह जिया जाए–सार्थकता से अपने लिए या दूसरों के लिए ... ।

(1) उत्तर लिखिए :–

(क) 1

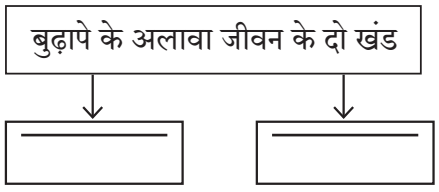

(ख) 1

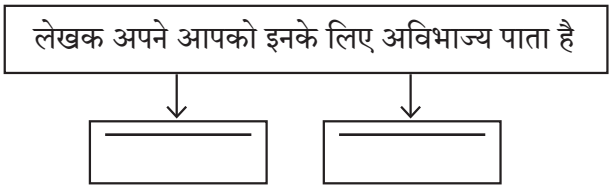

(2) 'जिंदगी बड़ी होनी चाहिए; लंबी नहीं', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

प्र.3 (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

हम उस धरती के लड़के हैं, जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या कहिए; हाँ क्या कहिए ।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव–से बच्चे ।
यह मिट्टी, हुए प्रह्लाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे ।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल–पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते !

(1) तालिका पूर्ण कीजिए :– 2

चरित्र	विशेषताएँ
	इस मिट्टी में खेलने वाला
	लगन का सच्चा (सच्ची लगनवाला)
	शेर के जबड़े में दाँत गिनने वाला
	अपने पराक्रम के आगे किसी को न गिनने वाला

(2) 'सच्ची लगन से हम असाध्य कार्य को भी साध्य बना सकते हैं', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

विभाग 4– भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 18 अंक

प्र. 4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

(1) (क) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :– 1

उन्होंने टूटी अलमारी को खोला।

(ख) निम्नलिखित शब्द का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए :– 1

सामाजिक

(2) (ग) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए :– 1

जरूर चले जाइए।

(घ) अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :– 1

के लिए

(3) (च) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए :– 2

1) दिल्ली शहर में घर ढूँढ़ता हूँ। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

2) प्राण को मन से अलग करना पड़ता है। (सामान्य भविष्यकाल)

(4) तालिका पूर्ण कीजिए :– 2

संधि	संधि विच्छेद	संधि भेद
अत्याचार	————	————
————	नि: + जीव	————

(5) **(छ) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :–** 1

यदि तुम इन्सान बनना चाहती हो तो जल्दी बताओ।

(ज) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :– 1

अब मुझे कौन पूछता है? (विधानार्थक वाक्य)

(6) **(झ) मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :–** 1

टाँग अड़ाना

(ट) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :– 1

(दाद देना, बोलबाला होना)

कलाकार की बनाई उस सुंदर मूर्ति की देखने वाले तारीफ करते थे।

(7) **वाक्य शुद्ध करके लिखिए :–** 2

(ठ) बरसों बाद पंडित जी को मित्र का दर्शन हुआ।

(ड) गोवा के बीच पर घूमने में बड़ी मजा आई।

(8) **सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए :–** 1

(ढ) गरम–गरम भूनकर मसाला लगाकर दूँगा।

(त) उसका निर्वाह चल सके।

(9) **'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक के क्रियारूप लिखिए :–** 1

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
जीना	————	जिलवाना
लूटना	लुटाना	————

(10) **वाक्य में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :–** 1

देखा एक फटी हुई शीतलपाटी पर लेटकर वह सोच रहा है

(11) **वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :–** 1

घर में दो पत्रिकाएँ मँगाते थे मेरे पितामह।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 32 अंक

प्र.5 (अ) (1) **पत्रलेखन :–** 5

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए :–

मोहन / मोहना जोशी, 5, सुमन स्मृति, डेक्कन जिमखाना, पुणे से अभ्युदय नगर, अंधेरी, मुंबई में अपने मित्र / सहेली को अपने दादा जी के 'अमृत महोत्सव' (७५ वीं वर्षगाँठ) के उपलक्ष्य में निमंत्रण देने हेतु पत्र लिखता / लिखती है।

अथवा

विजय / विजया मोरे, वरदायिनी सोसाईटी, लोकमान्य नगर, सोलापुर से अपने क्षेत्र के विद्युत अभियंता को बिजली का बिल अधिक आने की शिकायत करते हुए पत्र लिखता / लिखती है।

(2) **गद्य आकलन : प्रश्न निर्मिति :–** 5

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर एक–एक वाक्य में उत्तरवाले पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में हों :–

भारतीय संस्कृति के अग्रदूत गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर विश्व की उन महान् विभूतियों में गिने जाते हैं जिन्होंने साहित्य, राजनीति, कला और धर्म के क्षेत्रों में नई दिशा का सूत्रपात किया। रवींद्रनाथ भारत के उन मनीषियों की परंपरा में आते हैं जिसमें वाल्मीकि, व्यास, कालीदास आदि महाकवियों ने भारतीय सभ्यता और संस्कृति को अपने समग्र रूप में चित्रित किया।

रवींद्रनाथ बचपन से ही प्रतिभाशाली थे। बौद्धिक प्रतिभा के साथ–ही–साथ आध्यात्मिक विचारों की एक गहरी धारा उनके भीतर प्रकाशित हो रही थी। उन्हें यह क्रमश: किस प्रकार मिला, यह निस्संदेह आश्चर्यपूर्ण है। उन्होंने स्वयं लिखा है– ''सूर्य देवता सामने के वृक्षों से झाँक रहे थे। मैं उनका स्वागत करने अपने तिमंजिले मकान के छज्जे पर दौड़ गया। वृक्षों पर सूर्य की किरणें पड़ रही थीं। इस समय एकाएक मुझे दिव्य प्रकाश मिल गया। प्रकृति की प्रत्येक वस्तु इस समय एक ही प्रतीत होती थी–सारा विश्व एक दिखाई देता था। सब चेतना जगत यह सारा जीवन प्रकाश और प्रेम से परिपूर्ण दिखाई देने लगा। इस अपूर्व दृश्य का वर्णन मानवी शक्ति के परे है।''

प्र.5 (आ) (1) वृत्तांत लेखन :– 5

नंदादीप विद्यालय, जयप्रकाश नगर, खोपोली, रायगड़ में मनाए गए 'योगसाधना शिविर' का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख करना अनिवार्य है।)

(2) **विज्ञापन :–** 5

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर नागपुर के एकता विद्यालय में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का लगभग 60 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए :–

स्थान	तिथि, समय	मॉडल के प्रकार

विशेषता

(3) **कहानी लेखन :–** 5

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिए और उचित शीर्षक दीजिए :–

राघव और माता–पिता – सुखी परिवार – राघव हमेशा मोबाइल पर --- कान में इयरफोन --- माता–पिता का मना करना --- राघव का ध्यान न देना --- सड़क पार करना --- कान में इयर फोन --- दुर्घटना --- सीख।

प्र.5 (इ) निबंध लेखन :– 7

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :–

1) मैं नदी बोल रही हूँ .....।

2) यदि मेरा घर चंद्रमा पर होता।

****